Syllabus NEP 2020

कोटा विश्वविद्यालय कोटा

बी.ए. सेमेस्टर पाठ्यक्रम

हिन्दी साहित्य (स्नातक) कोड.....

सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम – हिन्दी साहित्य (DCC Paper)
डिप्लोमा पाठ्यक्रम – हिन्दी साहित्य (DCC Paper)
स्नातक पाठ्यक्रम – हिन्दी साहित्य (DSC Paper)

सत्र 2023-24

महाराव भीमसिंह मार्ग, कबीर सर्किल
स्वामी विवेकानन्द नगर
कोटा राजस्थान 324005
Website: uok.ac.in

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

विश्व में लगभग 193 देशों में हिन्दी भाषा का अध्ययन एवं अध्यापन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा का व्याकरण वैज्ञानिक तथा साहित्य समृद्ध है। हिन्दी साहित्य भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं समाज चेतना का संवाहक है। भारत के सम्पूर्ण विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा अनिवार्य एवं ऐच्छिक विषय के रूप में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर पढ़ाई जाती है। हिन्दी भाषा एवं साहित्य पर व्यापक शोध किये जा रहे हैं। कोटा विश्वविद्यालय कोटा का नयी शिक्षा नीति 2020 पर आधारित हिन्दी पाठ्यक्रम स्नातक एवं स्नातकोतर स्तर पर रोजगार परक एवं शिक्षाप्रद है। हिन्दी का प्रयोग व्यापक स्तर पर होने के कारण प्रयोजनमूलक हिन्दी पढ़कर छात्र पत्रकारिता, अनुवाद एवं जनसंचार के क्षेत्र में अपना भविष्य तलाश सकते हैं। वहीं सफल अनुवादक भी बन सकते हैं एवं एक अच्छे समाज का निर्माण कर सकते हैं। यह पाठ्यक्रम छात्र में तर्कशक्ति एवं आलोचनात्मक समझ को विकसित करने के साथ–साथ नवीन शोध के मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

स्नातक स्तरीय हिन्दी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम की अवधिः– हिन्दी साहित्य स्नातक स्तर पाठ्यक्रम तीन शैक्षणिक वर्षों को छः सेमेस्टर में विभाजित किया गया है।

1. सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम– प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर उत्तीर्ण करने पर।
2. डिप्लोमा पाठ्यक्रम– प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर उत्तीर्ण करने पर।
3. स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम – सभी छः सेमेस्टर उतीर्ण करने पर।

पाठ्यक्रम की संचरनाः– स्नातक स्तरीय हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम नियमित एवं स्वयंपाठी छात्रों के लिए होगा। पाठ्यक्रम में छात्र–छात्राओं के कौशल विकास को व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक लेखन तथा आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट एवं साक्षात्कार के माध्यम से मूल्यांकित किया जा सकेगा।

स्नातक उपाधि हेतु सेमेस्टर आधारित हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम की सूची							
सर्टिफिकेट कोर्स – हिन्दी साहित्य (DCC Paper)							
वर्ष एवं कोड़	सेमेस्टर	Number	कोर्स/पाठ्यक्रम का कोड़	प्रश्न पत्र कोड/नाम	सैद्धान्तिक /प्रायोगिक	कुल क्रेडिट	
प्रथम वर्ष 5114	I		DCC	HIN 101-प्राचीन काव्य	सैद्धान्तिक	06	
	II		DCC	HIN 102- कथा साहित्य	सैद्धान्तिक	06	
डिप्लोमा पाठ्यक्रम हिन्दी साहित्य (DCC Paper)							
द्वितीय वर्ष 5214	III		DCC	HIN 201 मध्यकालीन काव्य	सैद्धान्तिक	06	
	IV		DCC	HIN 202 प्रयोजन मूलक हिन्दी	सैद्धान्तिक	06	
	स्नातक पाठ्यक्रम हिन्दी साहित्य (DSC Paper)						
तृतीय वर्ष 5314	V		DCC	HIN 301 आधुनिक हिन्दी कविता	सैद्धान्तिक	06	
	VI		DCC	HIN 302 नाटक, निबंध एवं रंगमंच	सैद्धान्तिक	06	

बी.ए. सेमेस्टर – I

विषय – हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्न पत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें सैद्धान्तिक परीक्षा के लिए 100 अंकों का प्रश्न पत्र होगा। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का रहेगा। जिसमें 20 अंक असाइनमेंट के होंगे। 20 अंक का लिखित टेस्ट तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का असाइनमेंट तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

क्रेडिट– 06 **कुल व्याख्यानों की संख्याः– 90**

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र – प्राचीन काव्य

प्रश्न–पत्र कोड – HIN 101

समयावधि– 3 घंटे पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न हल करने हैं। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक 5x16=80

पाठ्यक्रम–पाठयोजना

इकाई – प्रथम

(क) निर्धारित कवि

1. चन्दवरदाई –पृथ्वीराज रासो (लघु संस्करण)पदमावती समयः

छन्द संख्या – 5, 9, 12, 15, 34, 60, 62, 69= 08 छन्द

2. कबीरदास (कबीर वाड्मय : जयदेव सिंह वासुदेव सिंह, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी से)

साखी : गुरूदेव को अंक – 4,11,13; सुमिरन का अंग– 2,4,6,9; विरह को अंग– 3, 6, 12, 29, 35, 40; परचा को अंग– 3, 4, 11, 35 ; निहकर्मी पतिव्रता को अंग – 2, 4, 16 कुल–20

सबद : 48, 114, 137, 146, 168, 179, 218, 285, 297, 325 कुल–10

3. जायसी (जायसी ग्रन्थावली : सं. रामचन्द्र शुक्ल, ना.प्र.स. काशी से) केवल मानसरोदक खंड

इकाई – द्वितीय

4. सूरदास (सूरसागर सार : सं. धीरेन्द्र वर्मा से)
   विनय तथा भक्ति– 2, 10, 21, 23, 25; गोकुल लीला–19 ; वृंदावन लीला–13,42; राधा–कृष्ण – 2, 63, 106 ;मथुरा गमन– 58, 68, 93; उद्धव संदेश – 2, 55, 95, 125, 187; द्वारका चरित– 50 कुल= 20 पद
5. तुलसीदास (तुलसी ग्रंथावली – मानसेतर एकादश ग्रंथ–ना.प्र.स काशी से)
   गीतावली : बालकाण्ड – 23, अयोध्या कांड – 54, 62, 87 ; लंकाकांड –7 ; विनय पत्रिका : 105, 162, 172, 174, 198; कवितावलीः अयोध्याकांड– 5, 6, 7, 8, 11, 12, 13, 18, 19, 20, 21, 22 कुल = 22 पद
6. रसखान(रसखान ग्रंथावलीः सं. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली से)
   सुजान–रसखान–2,3,7,10,13,18,27,55,56,73,75,80,101,112,128,129,147,150,178, 225, 237 कुल = 21 पद
7. मीरा (मीरा पदावली : सं. परशुराम चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग से) 19, 20, 31, 36, 39, 41, 46, 48, 52, 53, 70, 76, 84, 87, 103, 106, 146, 153, 171 कुल = 19 पद

इकाई – तृतीय

8. नरोत्तम दास – सुदाम चरित (सम्पूर्ण)

इकाई – चतुर्थ

(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल एवं भक्तिकाल

इकाई – पंचम

(ग) काव्यांग परिचय :

शब्द शक्ति – अभिधा, लक्षणा, व्यजंना।
काव्यगुण : माधुर्य, ओज, प्रसाद
काव्यदोष : श्रुतिकटुत्व, च्यूतसंस्कृति, क्लिष्टत्व, ग्रामत्व , अश्लीलत्व, अक्रमत्व, दुष्क्रमत्व, पुनरूक्ति।
अलंकार : यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, निदर्शना, दीपक, अर्थान्तरन्यास, सन्देह भ्रान्तिमान, अपहुन्ति, दृष्टान्त, व्यतिरेक, विरोधाभास, असंगति विशेषोक्ति, विभावना, अन्योक्ति।
छन्द : कवित्त, सवैया, दोहा, सोरठा, चौपाई, बैरवे, रोला, हरिगीतिका, छप्पय, कुंडलिया।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल ना.प्र.स. काशी
2. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–1) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन न. दिल्ली।
3. काव्य के तत्व – आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कविता की पहचान – डॉ हनुमान प्रसाद शुक्ल, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस न. दिल्ली।

वेब लिंक :

1. https://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAHL-102.pdf
2. https://hindisahitya28.files.wordpress.com/2017/12
3. https://www.gkpad.com/sachin/11-22

बी.ए. सेमेस्टर – II

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्नपत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें थ्यौरी 100 अंक की होगी। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का होगा जिसमें 20 अंक एसाइंमेंट के होगे 20 अंक का लिखित परीक्षा तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

स्वयपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का एसाइमेंट तथा 10 अंक का मौखिक परीक्षा होगी।

क्रेडिट–6 कुल व्याख्यानों की संख्याः– 90

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र– कथा साहित्य

प्रश्न–पत्र कोड – HIN 102

समयावधि– 3 घंटे पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक 5x16=80

पाठ्यक्रम–पाठ योजना

इकाई – I

कहानियां

1. बंग महिला – दुलाई वाली
2. प्रेमचन्द – ठाकुर का कुआं

3. जयशंकर प्रसाद – आकाशद्वीप
4. जैनेन्द्र कुमार – पाजेब
5. अज्ञेय – शरणदाता

इकाई – II

1. यशपाल – परदा
2. उषा प्रियवंदा – वापसी
3. अमरकान्त – डिप्टी कलक्टरी
4. यादवेन्द्र शर्मा 'चंद्र' – मेंहदी के फूल
5. चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' – उसने कहा था

इकाई – III

उपन्यास – धर्मवीर भारती – गुनाहों का देवता

इकाई – IV

हिन्दी कहानी एवं उपन्यास का इतिहास

इकाई – V

कहानी एवं उपन्यास विद्या : स्वरूप एवं तत्व

सहायक ग्रंथ

1. कहानी : नई कहानी – डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान – डॉ रामदरश मिश्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा – डॉ. रामदरश मिश्र राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

वेब लिंक :

1- https://hindikahani.hindi-kavita.com/
2- https://egyankosh.ac.in/handle/123456789/61625

बी.ए. सेमेस्टर – III

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्नपत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें थ्यौरी 100 अंक की होगी। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का होगा जिसमें 20 अंक एसाइंमेंट के होगे 20 अंक का लिखित परीक्षा तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

स्वयपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का एसाइमेंट तथा 10 अंक का मौखिक परीक्षा होगी।

क्रेडिट–6 कुल व्याख्यानों की संख्याः– 90

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र–मध्यकालीन काव्य

प्रश्न–पत्र कोड – HIN 201

समयावधि– 3 घंटे पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक 5x16=80

पाठ्यक्रम–पाठयोजना

इकाई – I

निर्धारित कवि

1. केशवदास (संक्षिप्त रामचिन्द्रका : सं. लाला भगवान दीन, ना. प्र.स. काशी)
   - बाल कांड – 2, 3, 80, 172, 192, 193
   - अयोध्या कांड – 25, 31, 39
   - अरण्य कांड – 18

सुन्दर कांड – 15, 16, 34, 35, 55, 57

लंका कांड – 3, 4, 19, 20, 21, 133, 134, 147

उत्तर कांड – 121

2. बिहारी (बिहारी रत्नाकरः जगन्नाथ दास रत्नाकर द्वारा संपादित)

1,7,8,9,20,27,32,34,41,51,52,60,61,62,69,70,94,95,121,191,201,225,255,301,317,347,361,363,384,472, 576, 583, 588, 642, 681 कुल 35 छद

इकाई – II

1. घनानन्द (घनानन्द कवित्त सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र संजय बुक सेन्टर, वाराणसी)
   2, 3, 4, 5, 6, 9, 12, 13,14, 15, 27, 60, 66, 68, 70, 73, 75, 82, 84, 97 कुल 20 छंद
2. भूषण (भूषण ग्रन्थावली सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)
   411, 412, 420, 421, 428, 429, 431, 432, 437, 443, 451, 463, 477, 478, 480, 510, 512, 546, 548, 551, 561, 586 कुल 22 छंद
3. सूर्यमल्ल मिश्रण – वीर सत्सई प्रारंभ के 50 छन्द

इकाई – III

जगन्नाथदास रत्नाकार – उद्धव शतक (सम्पूर्ण)

इकाई – IV

हिन्दी साहित्य का इतिहास – रीतिकाल

इकाई – V

1. काव्य रीति
2. रस–रस का स्वरूप, अवयव एवं रस लक्षण, विश्लेषण एवं निष्पति।
3. हिन्दी के प्रमुख रीति आचार्य एवं उनका चिन्तन।

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग– 2) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
2. रीति काव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रीतिकाल आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

वेब लिंक :

1. https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou23_hs20/preview
2. https://www.google.com/url?sa=t&source=web&rct=j&opi=89978449&url=https://m.sahityakunj.net/entries/view/madhyakaaliin-evam-aadhunik-kaavya&ved=2ahUKEwjE1rCcjNyBAxWO8DgGHeqVDqcQFnoECB8QAQ&usg=AOvVaw0GI3yicbXD2yhcbuwfJ-AV
3. https://www.jankipul.com/author/hiwebadmn

बी.ए. सेमेस्टर – IV
विषय : हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्नपत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें थ्यौरी 100 अंक की होगी। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का होगा जिसमें 20 अंक एसाइंमेंट के होगे 20 अंक का लिखित परीक्षा तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

स्वयपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का एसाइमेंट तथा 10 अंक का मौखिक परीक्षा होगी।

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र– – प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रश्न–पत्र कोड – HIN 202

क्रेडिट–6 कुल व्याख्यानों की संख्याः– 90

समयावधि– 3 घंटे पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक 5x16=80

पाठ्यक्रम–पाठ योजना

इकाई – I

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी अभिप्राय और क्षेत्र
2. पत्रकारिता – रूप और प्रकार
   पत्रकार वार्ता
   हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास
   प्रमुख पत्र पत्रिकाएँ और पत्रकार

इकाई – II

1. संपादन कला
   सम्पादकीय लेखन
   रिपोर्टिंग
   प्रूफ – शोधन
   साक्षात्कार
   प्रेस प्रबंधन
   प्रेस कानून और आचार संहिता

इकाई – III

1. संचार माध्यम लेखन
   संचार माध्यम का स्वरूप मुद्रण, श्रव्य, दृश्य, इंटरनेंट।
   संचार माध्यमों की प्रकृति और चरित्र
   विज्ञापन लेखन – उद्देश्य और स्वरूप तथा भाषिक – विन्यास।
   रेडियो लेखन– श्रव्य भाषा की प्रकृति, रेडियों लेखन के विविध पक्ष–उद्घोषणा, समाचार, नाटक एवं रूपक, फीचर, रिपोर्ट, संयोजन

इकाई – IV

1. टेलिविजन एवं फिल्म लेखन–दृश्य माध्यमों की भाषा और सामग्री संयोजन, पार्श्ववाचन, पटकथा–लेखन, संवाद लेखन, टेलीड्रामा एवं डॉक्यूमेंटरी, साहित्यिक कृतियों का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण।
2. इन्टरनेट :– सामग्री – सृजन एवं संयोजन

इकाई – V

1. अनुवाद – महत्व और स्वरूप, प्रक्रिया, प्रकार
   अनुवाद और समतुल्यता
   अनुवाद समीक्षा
   अनुवाद की प्रकृति
   अनुवाद की समस्याएं– पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याएं, साहित्यानुवाद की समस्याएं

सहायक ग्रन्थ

1. आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य – राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मीडिया लेखन – सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पटकथा लेखनःएक परिचय, – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल, नई दिल्ली

6. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प– डॉ. मनोहर प्रभाकर राधाकृष्ण, नई दिल्ली
7. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – डॉ. सुरेश कुमार वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. अनुवादः सिद्धांत और समस्याएँ – डॉ. रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव, डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग – डॉ. जी. गोपीनाथन, लोकभारती इलाहाबाद

वेब लिंक :

1. https://hi.m.wikipedia.org/wiki
2- https://egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/91090/1/Unit-1.pdf
3- https://jvbi.ac.in/dde/pdf/menu/distance/SLM/BA-III-HL-II.pdf

बी.ए. सेमेस्टर – V

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्नपत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें थ्यौरी 100 अंक की होगी। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का होगा जिसमें 20 अंक एसाइंमेंट के होगे 20 अंक का लिखित परीक्षा तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

स्वयपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का एसाइमेंट तथा 10 अंक का मौखिक परीक्षा होगी।

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र – आधुनिक हिन्दी कविता

प्रश्न–पत्र कोड – HIN 301

क्रेडिट–6 कुल व्याख्यानों की संख्याः– 90

समयावधि– 3 घंटे पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक 5x16=80

पाठ्यक्रम–पाठयोजना

इकाई–I

(क) निर्धारित कवि

1. मैथिलीशरण गुप्त –
   - (i) द्वापर से – विधृता
   - (ii) यशोधरा से – यशोधरा 5 एवं 6
2. जयशंकर प्रसाद –
   आँसू से – कुल 19 छन्द (नाविक! इस सूने तट पर ..... से ..... है खेल आँख का मनका ..... तक)
   लहर से – 3 गीत एवं 1 कविता
   - (i) ले चल वहाँ भुलावा देकर
   - (ii) बीती विभावरी जाग री

(iii) मेरी आँखों की पुतली में

(iv) एक कविता – 3
पेशोला की प्रतिध्वनि

3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
   (i) जूही की कली (''परिमल'' सें)
   (ii) बादल–राग – 6 (''परिमल'' सें)
   (iii) तोडती पत्थर (''अनामिका'' सें)
   (iv) स्नेह निर्झर बह गया है (''अणिमा'' सें)

इकाई – II

4. सुमित्रानन्दन पन्त –
   (i) प्रथम रश्मि (''वीणा'' से)
   (ii) आँसू की बालिका (''पल्लव'' से)
   (iii) मौन निमंत्रण (''पल्लव'' से)
   (iv) द्रुत झरो (''युगान्त'' से)
   (v) आः धरती कितना देती है (''अतिमा'' सें)
5. महादेवी वर्मा –
   (i) जो तुम आ जाते एक बार
   (ii) कौन तुम मेरे ह्रदय में
   (iii) मधुर मधुर मेरे दीपक जल
   (iv) मै नीर भरी दुख की बदली
6. नागार्जुन –

(i) सिन्दूर तिलकित भाल (ii) हरिजन–गाथा

(iii) सत्य (iv) बहुत दिनों के बाद

इकाई – III

7. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन ''अज्ञेय'' –
   (i) आज थका हिय हारिल मेरा (ii) सागर–मुद्रा – 2
   (iii) नदी के द्वीप (iv) कितनी नावों में कितनी बार
8. गजानन माधव मुक्तिबोध –
   (i) ब्रह्मराक्षस (ii) कल जो हमसे चर्चा की थी
9. धूमिल –
   (i) मोचीराम (ii) पटकथा
10. रघुवीर सहाय –
    (i) रामदास (ii) अधिनायक
    (iii) आत्महत्या के विरूद्ध

इकाई – IV

(ख) आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास : वाद और प्रवृत्तियाँ

इकाई – V

(ग) आधुनिक हिन्दी कविता के वैचारिक आधार एवं तत्त्व–मानववाद, विकासवाद, आधुनिकता, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, फैंटेसी, मिथक, प्रतीक।

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ0 नगेन्द्र, मयूर पेपरबैक्स, नोएडा
2. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
4- हिन्दी आलोचना के बीज शब्द – डॉ0 बच्चन सिंह, वाणी, नं. दि.

वेब लिंक

1. https://ia601403.us.archive.org/12/items/in.ernet.dli.2015.380860/2015.380860.Aanksu.pdf
2. https://egyankosh.ac.in/handle/123456789/23429
3. https://hi.m.wikipedia.org/wiki/
4. https://books.google.co.in/books?id=owZZY9gjAJcC&printsec=frontcover&source=gbs_atb&redir_esc=y#v=onepage&q&f=false
5. https://www.pustak.org/index.php/books/bookdetails/13485

बी.ए. सेमेस्टर – VI

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्नपत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें थ्यौरी 100 अंक की होगी। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का होगा जिसमें 20 अंक एसाइंमेंट के होगे 20 अंक का लिखित परीक्षा तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

स्वयपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का एसाइमेंट तथा 10 अंक का मौखिक परीक्षा होगी।

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र– नाटक, निबंध एवं रंगमंच

प्रश्न–पत्र कोड – HIN 302

क्रेडिट–6 कुल व्याख्यानों की संख्याः– 90

समयावधि– 3 घंटे पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक 5x16=80

पाठ्यक्रम–पाठयोजना

इकाई–प्रथम

(क) नाटक

(i) आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश

(ii) कबीरा खड़ा बाजार में – भीष्म साहनी

इकाई–द्वितीय

(ख) निबन्ध – संग्रह

(i)	बालकृष्ण भट्ट	–	साहित्य जन–समूह के हृदय का विकास है
(ii)	चन्द्रधर शर्मा ''गुलेरी''	–	धर्म और समाज
(iii)	रामचन्द्र शुक्ल	–	उत्साह
(iv)	हजारीप्रसाद द्विवेदी	–	देवदारु

(v) महादेवी वर्मा – प्रणाम

इकाई–तृतीय

(i) अज्ञेय – सौन्दर्यबोध और शिवत्वबोध
(ii) नामवर सिंह – संस्कृति और सौन्दर्य
(iii) निर्मल वर्मा – भारतीय संस्कृति और राष्ट्र
(iv) विद्यानिवास मिश्र – हल्दी –दूब और दधि–अच्छत
(v) कुबेरनाथ राय – मधुर मधुर रसराज

(ग) इतिहस
(i) हिन्दी नाटक एवं रंगमंच का इतिहास
(ii) हिन्दी निबन्ध का इतिहास

इकाई–पंचम

(घ) (i) नाटक की विधा और उसके तत्त्व
(ii) निबन्ध विधा – स्वरूप और शैलियाँ

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी नाटक – डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
2. प्रसाद के नाटक – डॉ0 सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
3. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

वेब लिंक :

1. https://ia801503.us.archive.org/25/items/in.ernet.dli.2015.403339/2015.403339.Hindi-Rangmanch.pdf
2. https://www.hindikunj.com/2019/02/hindi-natak-vikas.html?m=1
3. https://sarkariguider.com/hindee-nibandh-saahity-ke-vikaas/

———